मंत्रालय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय
MINISTRY OF
WOMEN AND
CHILD DEVELOPMENT

POSHAN Abhiyaan
PM's Overarching Scheme for Holistic Nourishment
सही पोषण - देश रोशन

FAQs on e-KYC & Facial Recognition System (FRS) for Take-Home Ration

FAQs on e-KYC & Facial Recognition System (FRS) for Take-Home Ration

1. What is the Facial Recognition System (FRS)?

FRS stands for Facial Recognition System which is a technology for Aadhaar based biometric authentication of the beneficiaries. FRS has been introduced by the Ministry of Women and Child Development for last mile tracking of Take-Home Ration (THR) to ensure that services are provided only to the genuine beneficiaries.

2. How does FRS work while collecting Take-Home Ration?

FRS is completed in two steps:

Step 1: One-time e-KYC (One Time)

- Anganwadi Worker enters the Aadhaar number and registered mobile number in the Poshan Tracker application.
- An OTP is received on the registered mobile number which is entered back into the app by the worker to complete e-KYC.
- As part of this step, a live photo of the beneficiary is also captured which is matched with the Aadhaar photo at the backed to verify beneficiary’s identity.

Step 2: Face Matching (Monthly or every time THR is collected)

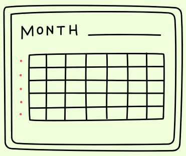

- At the time of THR distribution, a fresh photo of the beneficiary is captured and matched with the already stored verified image.
- Upon successful face matching, FRS is completed and THR is distributed to the right beneficiary.
- Face matching is enabled in offline mode, allowing verification even without internet connectivity.

3. What are the benefits of introducing FRS for THR distribution?

- Ensures THR reaches the rightful beneficiary through face-based identity verification.
- Prevents duplication, misuse, leakage, and diversion of supplementary nutrition.
- Makes THR distribution transparent and fair, building trust among beneficiaries and frontline workers.

4. Do children also need face verification to get Take-Home Ration?

- No. Children below 6 years of age DO NOT need to undergo FRS for THR distribution.
- THR for children is given based on the face authentication of the mother, father, or guardian.
- No photograph of the child is required.

5. What should a beneficiary do if e-KYC or FRS does not work?

- Request photo re-capture if face matching fails during THR distribution.
- Call the POSHAN Helpline 1515 (earlier 14408).
- Inform the Supervisor/CDPO for additional support.

6. What if a beneficiary cannot visit the Anganwadi Centre for receiving THR through FRS?

- If a beneficiary (pregnant woman, lactating mother, or adolescent girl) is unable to visit the Anganwadi Centre for any reason, she may send a nominated person (nominee) to collect the Take-Home Ration (THR) on her behalf.
- The nominee will undergo FRS before receiving the beneficiary's THR.
- The Anganwadi Worker will assist in adding the nominee to the Poshan Tracker.

7. How is beneficiary data kept safe?

Beneficiary data is protected under data protection laws, including the Digital Personal Data Protection Act, 2023. Key safeguards include:

- Consent from beneficiary is taken before e-KYC/FRS.
- Data is accessible only to authorised officials.
- The Poshan Tracker database is secure.
- Face verification data
- Images used for face matching cannot be copied or misused.
- No photos or data are permanently stored on mobile devices; temporary data is deleted after logout.

8. What is the role of Anganwadi Workers and Supervisors in FRS?

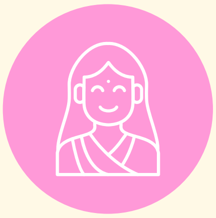

Anganwadi Workers

- Complete one-time e-KYC and take live photos for face matching at the time of THR distribution.
- Provide THR after successful verification.
- Use offline mode in low-network areas.
- Report technical issues to Supervisors.

Anganwadi Supervisors

- Support AWWs in troubleshooting and validation.
- Monitor progress of e-KYC and FRS.
- Ensure data accuracy and timely reporting.
- Escalate unresolved issues to higher levels.

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय
MINISTRY OF WOMEN AND CHILD DEVELOPMENT

POSHAN Abhiyaan
PM's Overarching Scheme for Holistic Nourishment
सही पोषण - देश रोशन

ई-केवाईसी (KYC) एवं फेस रिकग्निशन सिस्टम (FRS) द्वारा टेक-होम राशन (THR) से संबंधित अक्सर पूछे जाने वाले सवाल (FAQs)

ई-केवाईसी एवं फेस रिकग्निशन सिस्टम (FRS) द्वारा टेक-होम राशन (THR) से संबंधित अक्सर पूछे जाने वाले सवाल (FAQs)

1. फेस रिकग्निशन सिस्टम (FRS) क्या होता है?

फेस रिकग्निशन सिस्टम (FRS) एक तकनीक है, जिसके ज़रिए आधार से लाभार्थियों की पहचान की जाती है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने टेक-होम राशन (THR) की अंतिम स्तर तक प्रभावी निगरानी सुनिश्चित करने के लिए इसे लागू किया है, ताकि सेवाएँ केवल वास्तविक और सही लाभार्थियों को ही पहुँचें।

2. FRS के ज़रिए टेक-होम राशन प्राप्त करने के आवश्यक कदम क्या हैं?

चरण 1: ई-केवाईसी (केवल एक बार)

- आंगनवाड़ी कार्यकर्ता पोषण ट्रैकर ऐप में लाभार्थी का आधार नंबर और पंजीकृत मोबाइल नंबर दर्ज करती हैं।
- पंजीकृत मोबाइल नंबर पर ओटीपी आता है, जिसे ऐप में दर्ज करने पर ई-केवाईसी पूरा हो जाता है।
- इसके बाद लाभार्थी की एक लाइव फोटो ली जाती है, जिसे आधार फोटो से मिलान कर लाभार्थी की पहचान सुनिश्चित की जाती है।

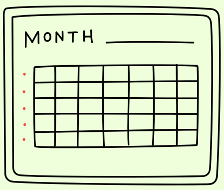

चरण 2: FRS – फेस मैचिंग (हर महीने या जब भी टेक-होम राशन लिया जाए)

- टेक-होम राशन वितरण के समय लाभार्थी की एक नई फोटो ली जाती है और उस फोटो का मिलान पहले से सत्यापित फोटो से किया जाता है।
- सफल फेस मैचिंग के बाद फेस रिकग्निशन सिस्टम (FRS) पूरा हो जाता है और एक डिजिटल रिकॉर्ड तैयार होता है।
- फेस मैचिंग की प्रक्रिया इंटरनेट के बिना भी (ऑफलाइन मोड में) की जा सकती है।

3. टेक-होम राशन (THR) के वितरण में FRS अपनाने से क्या फायदे होते हैं?

- फेस पहचान से यह सुनिश्चित होता है कि टेक-होम राशन (THR) सही लाभार्थी को ही मिले और गलत इस्तेमाल व दोहराव रुके।
- इससे THR वितरण साफ़, पारदर्शी और भरोसेमंद बनता है।

4. क्या बच्चों के लिए FRS आवश्यक है?

- नहीं। 6 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए FRS नहीं किया जाता।
- बच्चों का THR उनके माता-पिता या अभिभावक के फेस वेरिफिकेशन के बाद दिया जाता है।

5. यदि FRS में कोई समस्या आए तो लाभार्थी को क्या करना चाहिए?

- यदि फेस पहचान में समस्या आए, तो आंगनवाड़ी कार्यकर्ता से दोबारा फोटो लेने का अनुरोध करें।
- सहायता के लिए पोषण हेल्पलाइन 1515 पर कॉल करें।
- आवश्यक होने पर आंगनवाड़ी सुपरवाइज़र/सीडीपीओ को सूचित किया जाए।

6. यदि लाभार्थी स्वयं आंगनवाड़ी केंद्र पर उपस्थित न हो सके, तो FRS द्वारा उसको उसका THR कैसे मिलेगा?

- यदि कोई लाभार्थी (गर्भवती महिला, स्तनपान कराने वाली माँ या किशोरी) किसी कारण से आंगनवाड़ी केंद्र नहीं आ पा रही है, तो वह अपने स्थान पर किसी नामित व्यक्ति (नॉमिनी) को THR लेने के लिए भेज सकती है।
- THR लेने से पहले नॉमिनी का भी FRS किया जाएगा।
- आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, पोषण ट्रैकर ऐप में नॉमिनी का नाम दर्ज़ करने में सहायता करेंगी।

7. लाभार्थियों का डेटा सुरक्षित कैसे रखा जाता है?

लाभार्थियों का डेटा डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम, 2023 सहित लागू डेटा संरक्षण कानूनों के अंतर्गत सुरक्षित रखा जाता है। इसके लिए निम्नलिखित प्रमुख सुरक्षा उपाय अपनाए गए हैं:

- ईकेवाईसी और FRS से पहले लाभार्थी की सहमति ली जाती है।
- डेटा का उपयोग केवल अधिकार प्राप्त अधिकारी ही कर सकते हैं।
- पोषण ट्रैकर एवं चेहरा सत्यापन से संबंधित डेटा पूरी तरह सुरक्षित रहता है।
- फोटो को कॉपी या इसका गलत उपयोग नहीं किया जा सकता।
- मोबाइल में कोई जानकारी हमेशा के लिए नहीं रहती; लॉग-आउट करने पर अस्थायी जानकारी मिट जाती है।

8. FRS में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और सुपरवाइज़र की क्या भूमिका है?

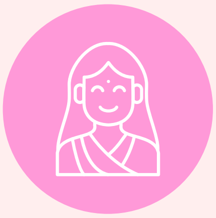

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता

- एक बार ईकेवाईसी पूरा करना और हर बार चेहरा सत्यापन के लिए फोटो लेना।
- सफल पुष्टि के बाद THR देना।
- कम नेटवर्क वाले क्षेत्रों में ऑफलाइन मोड का उपयोग करना।
- तकनीकी समस्याओं को सुपरवाइज़र को बताना।
- पोषण ट्रैकर में सेवाओं का रिकॉर्ड रखना।

सुपरवाइज़र

- आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की समस्याएँ हल करने और जांच/पुष्टि में मदद करना।
- ईकेवाईसी और FRS की प्रगति पर नजर रखना।
- डेटा सही और समय पर रिपोर्ट होने को सुनिश्चित करना।
- जो समस्याएँ हल नहीं होतीं, उन्हें ऊपरी स्तर तक भेजना।